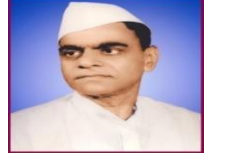




Janata Shikshan Sanstha's



KISAN VEER MAHAVIDYALAYA, WAI

DEPARTMENT OF HINDI

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी अध्ययन मंडल

एम्.ए. प्रथम वर्ष (कला विद्या शाखा)

MA II HINDI (2018-19, 2019-20, 2020-21, 2021-22)

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर हिंदी अध्ययन मंडल एम.ए. भाग-1 हिंदी (New Syllabus, Credit and C.B.C.S. system)

Programme Outcomes :

* To prepare the students with skills to analyze the concept and different theories of Hindi literature and language.

- To prepare the students for pursuing research or careers in Hindi language and literature and it's allied fields.
- Imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing).
- Continue to acquire relevant knowledge and skills appropriate to professional activities.
- Create awareness to become an enlightened citizen with commitment to deliver one's responsibilities within the scope of bestowed rights and privileges.

Programme Specific Outcomes :

To prepare and motivate students for research studies in Hindi language and literature and related fields.

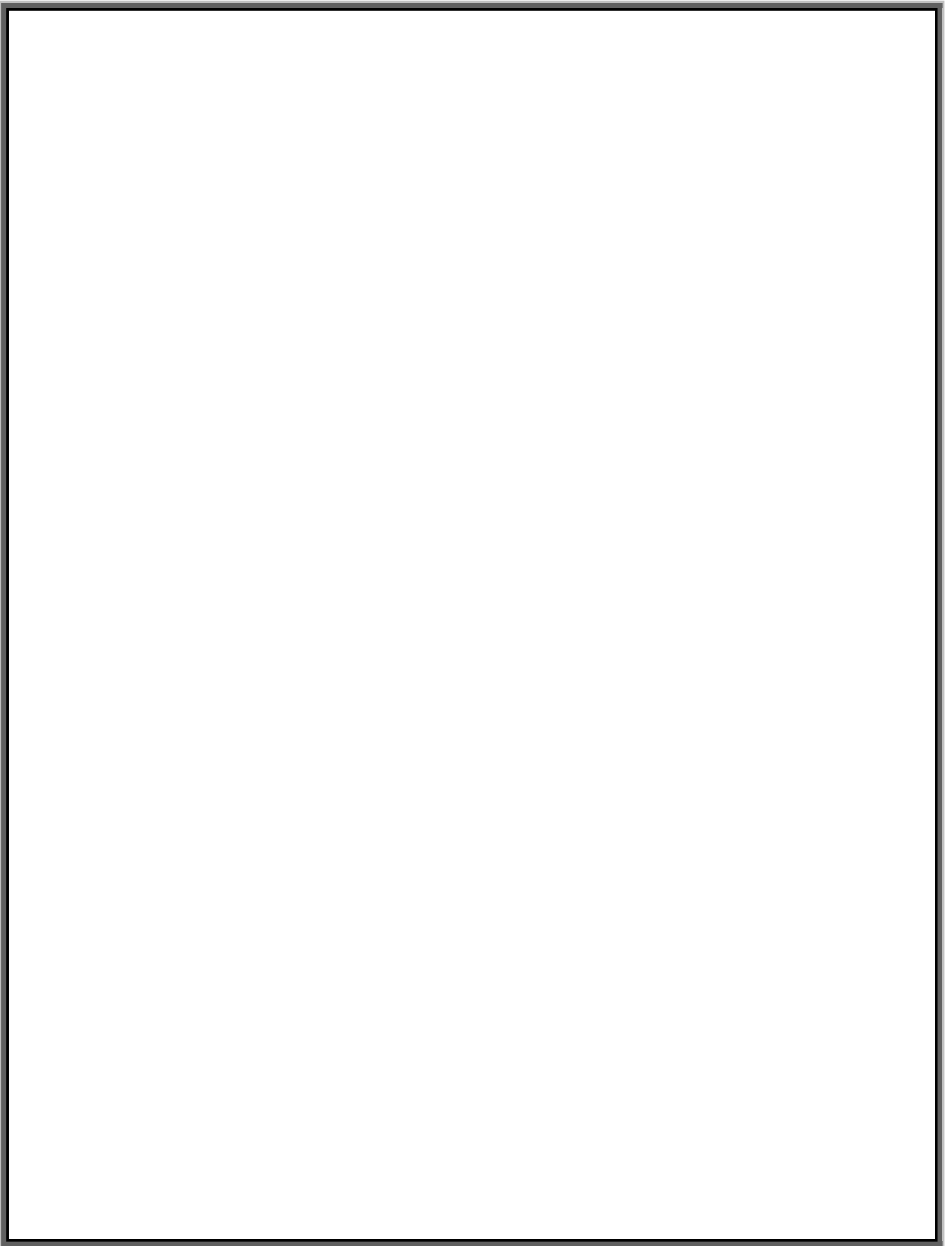
- To provide advanced knowledge of different theories of Hindi language and literature and empowering the students to pursue higher degrees/research at reputed academic institutions.

- *To nurture analytical qualities or skills, thinking power, creativity through assignments & project works.*
- *To assist students in preparing (personal guidance, books) for competitive exams. e.g. NET/SET, Staff Selection Commission, Banking sector/Govt. of India undertakings (Rajbhasha Sahayak or Hindi Officer/ Hindi Translator), School Service Commission etc.*
- *To encourage the students for original thinking/thought /decision making.*
- *To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing).*

SHIVAJI UNIVERSITY KOLHAPUR
KISAN VEER MAHAVIDYALAYA, WAI
ACADEMIC YEAR 2022-23
MA HINDI

PROGRAME OUTCOMES

- आज हिंदी विश्व भाषा के पद पर विराजित है। हिंदी के विश्वव्यापी स्वरूप को ध्यान में लेते हुए स्नातकोत्तर छात्रों को शिक्षित, आत्मनिर्भर तथा रोजगारोन्मुख करना आवश्यक है।
- सूचना क्रांति के जमाने में हिंदी अंतरताना (इंटरनेट) पर अपना अधिकार जमा चुकी है। हिंदी अत्यंत संपन्न भाषा है। हिंदी का साहित्य समृद्ध है।
- हिंदी ने साहित्य और समाज के बीच के रिश्ते की अहमियत बनाए रखी है। इन सारी बातों पर गंभीरता से विचार कर एम.ए. का स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रस्तुत है।
- आज भारत के बाहर लगभग 154 देशों में हिंदी पढ़ाई जाती है। प्रवासी भारतीयों के साथ विदेशों के स्थानीय छात्र भी हिंदी का अध्ययन करते हैं। हमारे छात्रों को विदेशों में भी नौकरी की संभावनाएँ हैं।
- आज अनेक सॉफ्टवेयर्स तैयार किए गए हैं। एम.ए. हिंदी के छात्र हिंदी भाषा तथा साहित्य के सभी पारंपरिक स्वरूप तथा उनकी विशेषताओं एवं साहित्य कृतियों। साथ-साथ उसके अधुनातन स्वरूप, आयामों से परिचित होंगे और बेहतर भविष्य की सभी संभावनाओं को लेकर चलेंगे, इस हेतु से यह प्रस्तुत किया गया है।
- हिंदी के वैश्विक स्थान और उसके प्रचार-प्रसारार्थि के कारण छात्रों के लिए रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध होंगे।
- छात्रों को प्राचीन काल से लेकर आज तक के हिंदी साहित्य से परिचित कराना, उसकी उपयोगिता तथा प्रासंगिकता की जानकारी देना, तत्कालीन परिवेश, प्रमुख कवि तथा साहित्यकारों की रचनाओं की जानकारी देना उद्देश्य रहा है।
- हिंदी भाषा, लगभग ग्यारह सौ वर्षों के हिंदी साहित्य का इतिहास, भाषा विज्ञान, हिंदी भाषा की समग्र जानकारी करा देना, हिंदी कथा और कथेतर साहित्य की विधाओं का परिचय तथा उसके अध्ययन के लिए समीक्षात्मक दृष्टिकोण विकसित कराना, साथ ही हिंदी के विविध व्यावहारिक स्वरूप तथा प्रयोग का ज्ञान कराना उद्देश्य रहा है।
- मनुष्य जीवन तथा ज्ञान-विज्ञान के अनेक क्षेत्रों भाषा प्रौद्योगिकी और हिंदी के अंतःसंबंधों की जानकारी कराना भी उद्देश्य रहा है। संगणक क्षेत्र, बैंकिंग, . वैद्यक आदि अनेक क्षेत्रों में हिंदी का अद्वितीय स्थान है।



आज विश्व साहित्य की संकल्पना इतनी विकसित हुई है कि विश्व साहित्य संकल्पना से 'अनुवाद' शब्द भी गहराई से जुड़ता गया। इन सभी बातों को केंद्र में रखकर छात्रोपयोगी एम। पाठ्यक्रम प्रस्तुत है।

COURSE OUTCOMES

एम. ए. भाग 1 Semester I

एम. ए. भाग 1 Semester I सत्र परीक्षा | Paper I प्रश्नपत्र I प्राचीन तथा निर्गुण भक्ति काव्य

उद्देश्य :

- प्राचीन तथा मध्ययुगीन कवियों एवं उनकी काव्य कृतियों से परिचित कराना।
- युगीन परिवेश तथा काव्य प्रवृत्तियों से परिचित कराना।
- प्राचीन तथा मध्ययुगीन प्रमुख कवियों की काव्य कृतियों का सूक्ष्म अध्ययन कराना।
- पठित कवि तथा उनकी काव्य कृतियों के वर्तमान कालीन महत्व से परिचित कराना।

एम. ए. भाग 1 Semester I सत्र परीक्षा | Paper II प्रश्नपत्र II बीज प्रश्नपत्र हिंदी साहित्य का इतिहास।

उद्देश्य

- साहित्येतिहास के लेखन की आवश्यकता तथा महत्त्व से परिचित कराना।
 - प्राचीन या आदिकालीन साहित्य के युगीन परिवेश से परिचित कराना।
 - मध्यकालीन साहित्य के युगीन परिवेश से परिचित कराना
 - प्राचीन या आदिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियों का अध्ययन कराना।
 - मध्यकालीन साहित्य की प्रवृत्तियों का अध्ययन कराना।
 - प्राचीन या आदिकालीन रचनाओं तथा उनके काव्यरूपी का अध्ययन कराना।
 - मध्यकालीन विविध काव्यधाराओं का अध्ययन कराना।
- मध्यकालीन रचनाओं तथा उनके काव्यरूपों, शैलियों का अध्ययन कराना।

एम.ए भाग I Semester I सत्र परीक्षा | Paper III प्रश्नपत्र III बीज प्रश्नपत्र भाषा विज्ञान |

उद्देश्य

- भाषा के स्वरूप तथा भाषा के विभिन्न रूप से परिचित कराना।
- भाषा विज्ञान के इतिहास का अध्ययन कराना।
- भाषाविज्ञान का स्वरूप तथा भाषाविज्ञान के अध्ययन की दिशाओं से परिचित कराना।
- हिंदी भाषा तथा देवनागरी लिपि से परिचित कराना।
- हिंदी भाषा के विविध आयामों से परिचित कराना।

एम.ए भाग 1

Semester I सत्र परीक्षा I Paper IV A प्रश्नपत्र IV अ वैकल्पिक प्रश्नपत्र भाषा प्रौद्योगिकी |

उद्देश्य

- भाषा प्रौद्योगिकी के स्वरूप से परिचित कराना।
- संगणक के इतिहास का परिचय कराना।
- हार्डवेयर सॉफ्टवेयर की जानकारी देना।
- विविध हिन्दी सॉफ्टवेयर्स का परिचय कराना।

एम.ए भाग 1 Semester I सत्र परीक्षा I

Paper IV B प्रश्नपत्र IV ब वैकल्पिक प्रश्नपत्र अनुवाद प्रौद्योगिकी |

उद्देश्य

- अनुवाद का सैद्धांतिक परिचय कराना।
- अनुवाद का व्यावहारिक परिचय कराना।
- अनुवाद को प्रौद्योगिकी रूप में विकसित होने की प्रक्रिया से परिचित कराना।
- अनुवाद की उपयोगिता तथा महत्व से परिचित कराना।

एम.ए भाग 1 Semester I सत्र परीक्षा Paper IV C प्रश्नपत्र IV क वैकल्पिक प्रश्नपत्र हिंदी कथा साहित्य |

उद्देश्य :

- उपन्यासकार तथा उनके उपन्यासों से परिचित कराना और उपन्यासों का सूक्ष्म अध्ययन कराना।
- नाटककार तथा उनकी नाट्यकृतियों से परिचित कराना और सूक्ष्म अध्ययन कराना।

- कहानीकार तथा उनके कहानी साहित्य से परिचित कराना और कहानियों का सूक्ष्म अध्ययन कराना। युगीन परिवेश तथा नाट्य विकास, प्रवृत्तियाँ विशेषताओं से परिचित कराना।
- वर्तमान काल में पठित नाटककार तथा उपन्यासकार एवं उनकी रचनाओं के महत्त्व से परिचित कराना। युगीन परिवेश तथा उपन्यास, नाटक, कहानी साहित्य के विकास, प्रवृत्तियाँ विशेषताओं से परिचित कराना।

एम. ए. भाग 1 Semester I सत्र परीक्षा | Paper IV D प्रश्नपत्र IV ड वैकल्पिक प्रश्नपत्र हिंदी व्याकरण, मानक लेखन तथा मुद्रित शोधन |

उद्देश्य

- छात्रों को हिंदी व्याकरण से परिचित कराना
- शुद्ध एवं मानक लेखन कौशल विकसित कराना।
- मुद्रितशोधन से परिचित कराना।
- मुद्रित शोधक के कर्तव्य से परिचित कराना।

एम.ए भाग 1 Semester I | सत्र परीक्षा |

Paper IV E प्रश्नपत्र IV इ वैकल्पिक प्रश्नपत्र हिंदी सम्प्रेषण कौशल

उद्देश्य

- संवाद कला विकसित कराना।
- व्याकरणिक कौशल से परिचित कराना।
- सामाजिक, सांस्कृतिक मूल्यों से परिचित कराना।
- छात्रों को हिंदी भाषा अभिव्यक्ति के लिए प्रेरित कराना।
- हिंदी भाषा की प्रकृति से परिचित कराना।
- भाषा व्यवस्था की जानकारी कराना।

एम.ए भाग 1 Semester II

एम.ए भाग 1 Semester II सत्र परीक्षा II Paper V प्रश्नपत्र V बीज प्रश्नपत्र सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकाव्य

उद्देश्य

- छात्रों को मध्ययुगीन कवियाँ एवं उनकी काव्य कृतियों से परिचित कराना।
- युगीन परिवेश तथा काव्य प्रवृत्तियों से परिचित कराना।
- . प्रमुख कवियों की काव्य कृतियों का सूक्ष्म अध्ययन कराना।
- वर्तमान काल में पठित कवि तथा उनकी काव्यकृतियों के वर्तमान कालीन महत्व से परिचित कराना।

एम.ए भाग I Semester II सत्र परीक्षा II Paper VI प्रश्नपत्र VI बीज प्रश्नपत्र हिंदी साहित्य का इतिहास II

उद्देश्य

- आधुनिक कालीन हिंदी साहित्य के युगीन परिवेश का अध्ययन कराना।
- आधुनिक कालीन हिंदी साहित्य की (काव्य और गद्य) विभिन्न विधाओं तथा उनके विकास का अध्ययन कराना।
- आधुनिक कालीन साहित्य की प्रवृत्तियों का अध्ययन कराना।
- प्रमुख (काव्य तथा गद्य रचनाओं का अध्ययन कराना।

एम.ए भाग I Semester II सत्र परीक्षा II Paper VII प्रश्नपत्र VII बीज प्रश्नपत्र भाषा विज्ञान II

उद्देश्य

- भाषा विज्ञान की विविध शाखाओं से परिचित कराना।
- ध्वनि तथा ध्वनि परिवर्तन के कारण तथा दिशाओं से परिचित कराना।
- पद के स्वरूप का अध्ययन कराना।
- अर्थ और उसके परिवर्तन के कारणों का अध्ययन कराना।

- वाक्य में पदक्रम, भेद तथा परिवर्तन के कारणों से परिचित कराना।

एम.ए भाग I Semester II सत्र परीक्षा II

Paper VIII A प्रश्नपत्र VIII अ वैकल्पिक प्रश्नपत्र भाषा प्रौद्योगिकी II

उद्देश्य

- संगणक संबंधित कार्यों का अध्ययन कराना।
- हिंदी भाषा प्रौद्योगिकी का अध्ययन कराना।
- भारतीय भाषा प्रौद्योगिकी का अध्ययन कराना।
- भारतीय लिंबे ऑफिस, मायक्रोसॉफ्ट ऑफिस आदि का अध्ययन कराना।
- संगणकसाधित भारतीय भाषा प्रौद्योगिकी आदि का अध्ययन कराना।

एम.ए भाग I

Semester II सत्र परीक्षा II Paper VIII B प्रश्नपत्र VIII ब वैकल्पिक प्रश्नपत्र अनुवाद प्रौद्योगिकी - II

उद्देश्य

- अनुवाद का सैद्धांतिक परिचय कराना।
- अनुवाद का व्यावहारिक परिचय कराना।
- अनुवाद को प्रौद्योगिकी रूप में विकसित होने की प्रक्रिया से परिचित कराना।
- अनुवाद की उपयोगिता तथा महत्त्व से परिचित कराना।

एम.ए भाग 1

Semester II सत्र परीक्षा II Paper VIII C प्रश्नपत्र VIII क वैकल्पिक प्रश्नपत्र हिंदी कथा साहित्य |

उद्देश्य :

- उपन्यासकार तथा उनके उपन्यासों से परिचित कराना और उपन्यासों का सूक्ष्म अध्ययन कराना।
- नाटककार तथा उनकी नाट्यकृतियों से परिचित कराना और सूक्ष्म अध्ययन कराना।
- एकांकीकार तथा उनके एकांकी साहित्य से परिचित कराना और एकांकियों का सूक्ष्म अध्ययन कराना।
- कहानीकार तथा उनके कहानी साहित्य से परिचित कराना और कहानियों का सूक्ष्म अध्ययन कराना।

- युगीन परिवेश तथा नाट्य विकास, प्रवृत्तियाँ विशेषताओं से परिचित कराना।
- वर्तमान काल में पठित नाटककार तथा उपन्यासकार एवं उनकी रचनाओं के महत्त्व से परिचित कराना।
- युगीन परिवेश तथा उपन्यास, नाटक, एकांकी, कहानी साहित्य के विकास, प्रवृत्तियाँ विशेषताओं से परिचित कराना।

एम.ए भाग 1 Semester II सत्र परीक्षा II Paper VIII D प्रश्नपत्र VIII ड वैकल्पिक प्रश्नपत्र हिंदी व्याकरण, मानक लेखन तथा मुद्रित शोधन II

उद्देश्य

- छात्रों को हिंदी व्याकरण से परिचित कराना
- शुद्ध एवं मानक लेखन कौशल विकसित कराना।
- मुद्रित शोधन से परिचित कराना।
- मुद्रित शोधक के कर्तव्य से परिचित कराना।

एम.ए भाग I

Semester I सत्र परीक्षा I

Paper VIII E प्रश्नपत्र VIII इ वैकल्पिक प्रश्नपत्र पटकथा लेखन तथा लघुपट निर्माण

उद्देश्य

पटकथा लेखन तथा लघुपट निर्माण से परिचित कराना।

- पटकथा लेखन के प्रकार्य से परिचित कराना।
- लघुपट निर्माण और उसके सौंदर्यशास्त्र से अवगत कराना।
- पटकथा लेखन और लघुपट निर्माण के लिए प्रेरित करना।
- दृश्य के माध्यम से कथा को विकसित करने की क्षमता निर्माण कराना।
- संवेदन और अंतर्वद्रव को समाज के विभिन्न उपादानों के साथ दृशात्मक कर सकने की क्षमता निर्माण कराना।
